State Guest House. I would request the Government of India, through the Chair, to take action for providing accommodation which is under the control of CPWD and I also request the State Minister to provide judicial quarters for the judicial officers. Thank you, Sir.

RE. DESECRATION OF STATUES OF AMBEDKAR AND GANDHI AT KANPUR

श्री नरेश यादव (बिहार) : महोदय, मैं इस देश में महापुरुषों का जो आए-दिन अपमान हो रहा हैं, इसको और आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, कल उत्तर प्रदेश में कानपुर में नाना राव पार्क में बाबा साहब अम्बेड़कर की मूर्ति पर कालिख पोती गई और इसके साथ-साथ राष्ट्रपति बापू की मूर्ति पर बम का प्रहार हुआ, जैसा कि 'जनसत्ता' से हम सबको मालूम हुआ हैं।

महोदय, मैं यह कहना चाहता हूं कि इसके पहले भी दोनों सदनों में इस बात की चर्चा हो चुकी हैं और सारे साथियों ने उस पर गहरी चिंता प्रकट की थी। महोदय, यह विचारणीय विषय हैं कि कौन तत्व आज समाज में हैं जो बापू की मूर्ति पर या बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति पर या इंदिरा गांधी की मूर्ति पर प्रहार करना चाहते हैं और क्या संदेश देना चाहते हैं ? दोनों सदनों में इस पर चर्चा होने के बावजूद इस तरह की एक और घटना घटित हो जाती हैं कानपुर में। आज हम कहां जा रहे हैं ? हम देश को किस ओर ले जा रहे हैं ?

महोदय, अखबार में किसी दल का नाम लिया गया है लेकिन में इस बार से सहमत नहीं हूं हमारे देश में जितने भी राजनीतिक दल हैं, वे बाबा साहब अम्बेडकर, महात्मा गांधी और श्रीमती इंदिरा गांधी, सभी का समान करते हैं और इनके अपमान करने का कुछ कारण नहीं होनी चाहिए। लेकिन कौन यह साजिश कर रहा हैं ? निश्चित तौर से कोई ऐसा तत्व हैं जो इस देश में इस तरह की साजिश कर रहा हैं। उपद्रवी तत्व कहिए या असामाजिक तत्व अराजकता फैलाना चाहते हैं, धार्मिक उन्माद फैलाना चाहते हैं, जातिवाद बढ़ाना चाहते हैं। वे महापुरुषों का अपमान कर रहे हैं, कहीं कालिख पोतकर, कहीं जूतों की माला पहनाकर, कहीं बम चलाकर पूरे देश में षड्यंत्र कर रहे हैं। इस बारे में मैं सरकार को आपके माध्यम से सचेत करना चाहता हूं और इस ओर तुरन्त ध्यान दिया जाना चाहिए। दोनों सदनों में इस इतनी चर्चा होने के बावजूद इस तरह की घटना घटना जाए, यह देश के लिए शर्म की बात हैं। इसलिए सरकार को इस पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए और उन तत्वों को खोजना चाहिए जो तत्व देश को तोड़ने की साजिश कर रहें हैं। आपने मुझे इस पर बोलने का अवसर दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री ईश दत्त यादव (उत्तर प्रदेश) : उपसभाश्यक्ष महोदय, श्री नरेश यादव श्री ने इस सदन में जिस घटना का उल्लेख किया हैं, यह अत्यंत चिंता का विषय हैं। महोदय, बाबा साहब अम्बेडकर, महात्मा गांधी और श्रीमती इंदिरा गांधी, ये सब लोग इस देश के महान नेता थे और किसी एक जाति के नेता नहीं थे, किसी एक वर्ग के नेता नहीं थे बल्कि पूरे देश में नेता नहीं थे। कल कानपुर में जो घटना हुई हैं, बाबा साहब अम्बेडकर की मूर्ति के मुख पर कालिख पोती गई और इसके रिऐक्शन में महात्मा गांधी की मूर्ति पर फॉयरिंग हुई और इंदिरा गांधी की मूर्ति पर बम प्रहार करके उसे तोड़ने की कोशिश की गई, चिंता का विषय हैं।

महोदय, मैं यादव जी को बातों का समर्थन करते हुए केवल एक बात आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि भारत सरकार को इस पर गंभीरता से विचार करना पड़ेगा कि जो हमारे महापुरुष हैं, उनके हो। इसकी कोई न कोई व्यवस्था करनी पड़ेगी और मैं फिर दोहरा रहा हूं कि उत्तर प्रदेश में अगर इस तरह की घटना हुई हैं तो उसके लिए उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार जिम्मेदार हैं। महोदय, बाबा साहब अम्बेडकर इस देश के संविधान निर्माता थे, इस देश के प्रजातंत्र के रचनाकार थे और वे पूरे देश के नेता हैं। हम लोग उनका हृदय से सम्मान करते हैं लेकिन उत्तर प्रदेश की वर्तमान सरकार उत्तर प्रदेश के अंदर ऐसी भावना पैदा कर रही हैं कि रामनाथ जी, आप उतना चिंतित मत होइएगा। जो सरकार हैं वह इस तरह की भावना पैदा कर रही हैं कि बाबा साहेब केवल एक वर्ग के थे और उत्तर प्रदेश सरकार की सारी शक्ति, सारा पैसा, सारा धन जो हैं वह बाबा साहेब कि लिए लगाया जा रहा है। मैं इसका स्वागत कर रहा हूं कि लगाया जाए। लेकिन सरकार की ओर से अगर इस तरह की भावना पैदा की जा रही हैं तो प्रदेश में एक सामाजिक तनाव बढ़ता जा रहा हैं, जो चिंता का विषय हैं जिसका मैं विरोधी हूं। मैं चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश में सौहार्द रहे। मान्यवर, आपने समय दिया इसलिए आभार प्रगट कर रहा हूं और आपके माध्यम से हमारे कृषि मंत्री जो भारत सरकार के

प्रतिनिधि हैं, यहां बैठे हुए हैं उनसे अनुरोध करुंगा कि भारत सरकार भी गंभीरता से विचार करके कि उत्तर प्रदेश के अंदर या देश के अंदर जो सामाजिक तनाव पैदा हो रहा हैं, इस प्रर नियंत्रण किया जाए । बहुत-बहुत धन्यवाद ।

श्री रामनाथ कोविन्द (उत्तर प्रदेश) : उपसभाध्यक्ष महोदय, माननीय श्री नरेश यादव जी ने जो मुद्दा उठाया हैं, मैं कानपुर का निवासी हूं । मैंने भी रात्रि में जानकारी प्राप्त की । यह वाकई में न केवल उस प्रदेश के लिए बल्कि हम सब लोगों के लिए शर्मनाक का विषय हैं और मैं अपने को इस मुद्दे से सम्बद्ध करते हुए यह निवेदन करना चाहूंगा कि यह न केवल जिम्मेदारी उस प्रदेश की हैं बल्कि वह प्रदेश इस भारत देश में हैं भी हैं इसलिए भारत सरकार भी जिम्मेदारी हैं । लेकिन पिछले एक-दो वर्षो से जो यह घटनाएं शुरू हो रही हैं उनके पीछे ऐसे तत्व हैं – स्वार्थी तत्व चाहें उनका किसी राजनीतिक वह अपने को किसी न किसी राजनीतिक दल से जरूर सम्बद्ध कर देते हैं । अभी तक जो कानपुर के डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट की रिपोर्ट आई हैं, पुलिस की रिपोर्ट आई हैं उनके मुताबिक यह हैं कि जो दोषी व्यक्ति थे उन्होंने उनको पहचान लिया हैं और उनके खिलाफ कार्रवाई करने जा रहे हैं । महोदय, मैं इस संबंध में एक निवेदन करना चाहूंगा कि भारत सरकार को भी जो महापुरुष हैं- डा. अम्बेडकर, बापू जी इन सबकी जहां भी प्रतिमाएं लगती हैं उनके रखरखाव के लिए यदि हमें कानून बनाने की जरूरत पड़े तो कानून बनाया जाए, उनकी मेंटीनेंस संबंधी नियम बनाए जाएं और यह भी निश्चित हो कि कहां-कहां पर उनकी प्रतिमा लगनी हैं । ऐसा नहीं हों कि इन प्रतिमाओं की भरमार कर दी जाए कि यदि कोई सरकार आती हैं और यह किसी व्यक्ति को चाहती हैं, वह किसी विशेष नेता को चाहती हैं तो इस कारण प्रतिमाओं की भरमार न कर दी जाए, जैसा कि पिछले कई वर्षो से होता आ रहा हैं । इस पर भी कुछ कानून बने । धन्यवाद उपसभाध्यक्ष महोदय ।

SHRI V.P. DURAISAMY (TAMIL NADU): Mr. Vice-Chairman, Sir, I share the sentiments expressed by Shri Naresh Yadav. Sir, some days back it happened in Maharashtra and yesterday it again happened in Kanpur. There is a calculated sinister move to desecrate the statues of our national leaders throughout the country. I think that a movement has started to show disrespect to the statues of our national leaders as well as the community leaders in our country. I have been told by some reliable sources that some political parties are feeding money to such elements for creating the law and order problem in some States. So, this should be condemned. The people who are involved in such types of activities should be punished severally. The Government should take a serious view of that. It should give suitable advice to the State Governments to protect the memorials of those leaders who had rendered great service to the nation.

कृषि मंत्री (श्री चतुरानन मिश्र) : उपसभाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्यों ने जो मामला उठाया हैं, जो कानपुर में घटना घटी हैं या देश में कई जगह हैं जहां हमारे नेताओं की मूर्तियों का अपमान किया जा रहा हैं, उसकी जितनी भी निंदा की जाए वह कम हैं । मेरे लिहाज से कुछ लोग जातीय उन्माद फैलाकर हमारे देश को बरबाद कर देना चाहते हैं और वह लोग जातीय राजनीति में विश्वास करते हैं । एक जाति को दूसरी जाति से टकराने का इस तरह की राजनीति को अख्तियार कर रहे हैं और कुछ लोग शायद इसे सारे भारत में फैलाना चाहते हैं । आज भी हमारी इस विषय पर प्रधान मंत्री जी से बातचीत हुई और उन्होंने भी इस विषय पर बहुत ही गहरी चिन्ता प्रकट की हैं । यह अत्यन्त ही निन्दनीय कार्य हैं । हम जो सभी पार्टी के राजनीतिज्ञ हैं, उन सबका यह प्रमुख कर्तव्य बन जाता हैं कि हम लोग जहां पर जाएं वहां इस तरह की घटनाएं की, इस तरह की राजनीति की निन्दा करें । पुलिस को जो करना हैं वह तो किया ही जाएगा, उसके लिए मैं गृह मंत्री जी से भी कहूंगा और सरकार करेगी भी और राज्य सरकार भी करेगी । इसमें हम लोगों को राज्य सरकार से निन्दा करने को मुख्य सवाल नहीं बनाना चाहिए । हमको देखना चाहिए कि जो इस तरह की बातें हो रही हैं उसके खिलाफ एक सामाजिक वातावरण बने ताकि उसकी सब लोग निन्दा करें, उसका विरोध करें । इसके लिए तो जनता में जागृति पैदा करने का काम होना चाहिए । हमारा यह जो सदन हैं, काउन्सिल ऑफ स्टेट्स हैं, हम तो हरेक राज्य के हित की रक्षा करने वाले हैं । इसीलिए मैं पूरा-पूरा इसका समर्थन करता हूं जो मोशन यादव जी ने जीरो आवर में रखा हैं । सरकार इस पर निश्चित रूप से बहुत ही संगीन कार्रवाई करेगी, नहीं तो यह आग भारत को जला डालेगी । इसलिए हम इसको कभी बर्दास्त नहीं करेंगे ।

THE VICE-CHXiRMAN (SHRI SANATAN BISI): Thank you, Mishraji. Shri Tara Charan Majumdar.

श्री चतुरानन मिश्र : अब तो सवा हो रहा हैं ।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : इसको बीच में खत्म कर दें क्या ? क्या करें कई नाम तो इसमें एसोसिएट करने वालों के हो गए ।

श्री चतुरानन मिश्र : अगर सभी भोजन उपवास रखना चाहते हैं तो हम भी रख लेंगे ।

उपसभाध्यक्ष (श्री सनातन बिसि) : इसको खत्म करने के बाद लंच कर देंगे ।

श्री सुन्दर सिंह भंडारी **:** अब तो सब लेना पड़ेगा मिश्र जी ।

SPECUL MENTIONS

Handing over of BRPL—A profit earning PSU and other such PSUs to private companies on sale

SHRI TARA CHARAN MAJUMDAR (Assam): I thank you very much for giving me an opportunity to draw the attention of the Government on a situation arising out of an attempt of the Government to sell out to private companies.

Assam has the distinction of having the first oil refinery in the country. The Digboi refinery was established more than a hundred years ago. Britishers did not go in for further exploration and extraction of crude for their own interest and it was after Independence that there has been a large scale activity to find more oil in Assam and the area near about Assam. The grievance of the people of the region has been that the Central Government in consonance with its policy of keeping the region in a .state of underdevelopment is depriving the people of their legitimate right to the benefit of its natural resources. A huge refinery was established at Barauni, in the State of Bihar which is not an oil producing State. And a pipeline was constructed at a cost of thousands of crores of rupees to pump out crude oil from the oil—fields of Assam to this refinery and thereby depriving Assam refinery scope for further expansion and improvement. The people of Assam built up a strong mass movement demanding refining of crude extracted from its oil-fields in the State itself by establishing refineries and as a result of mass agitation, two toy refineries were established, one at Guwahati and the other at Bongaigaon with a refining capacity of 1.37 million metric tons per year. The Bongaigaon refinery and petrochemical complex has been registered as a separate company in 1974. The BRPL started its commercial production in 1978 and also entered into competitive market in fibre and petrochemicals in addition to a range of products of a conventional refinery. Its products are LPG, ATF, MS, SKD, diesel, LSHS, RFC, petrochemicals, etc. The refinery has been making spectacular strides in refining production of petrochemicals and it earned a profit of Rs. 50.70 crores in 1992-93, Rs. 60.71 crores in 1993-94, Rs. 85.25 crores in 1994-95 and Rs. 120.20 crores in 1995-96. The BRPL also paid Rs. 27.06 crores to its shareholders as bonus and also paid Rs. 74.91 crores to the Government treasury as tax, etc. The BRPL was rated 'excellent' amongst the MOU-signing PSUs for several years. Taking into consideration the overall performance of the BRPL and taking into consideration the projected availability of oil in the N.E. Region, it was allowed to increase its refining capacity from 1.35 MMT per year to 2.35 MMIT per year and the company installed necessary mechanism, machinery and other infrastructure for the execution of enhanced refining capacity. The insincerity of the authorities became evident when refining of enhanced capacity had to be stopped after four days of operation as supply of crude was abruptly stopped to the refinery. The Disinvestment Commission has recommended selling of the BRJPL to a private company on grounds of non-availability of crude, geographical location and for want of marketing facilities. All these